आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–16 दिसंबर 2025 **भोजपुरी समाचार**

केंद्रीय कृषि अउर ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान आजु लोकसभा में विकसित भारत–रोजगार आ आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक दुई हजार पचीस पेस कइलें। ई विधेयक बीस साल पुरान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, दुई हजार पांच क जगहि लेई।

इस विधेयक का मकसद विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के अनुरूप गांव का समग्र विकास करना है। गांव में हुए सामाजिक आर्थिक बदलावों को देखते हुए केंद्र सरकार विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण विधेयक 2025 लेकर आई है। नए विधेयक का उद्देश्य श्रमिकों को अधिक कार्य दिवसों की गारंटी, बेहतर मजदूरी और सुरक्षा प्रदान करना है। मनरेगा के तहत फिलहाल एक वित्त वर्ष में 100 दिन के काम की गारंटी दी जाती है। वहीं, नए विधेयक में हर साल 125 दिन का रोजगार मिलेगा। इस विधेयक का उद्देश्य चार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के माध्यम से रोजगार और टिकाऊ ग्रामीण अवसंरचना का निर्माण करना है। इनमें जल संबंधी कार्यों के माध्यम से जल सुरक्षा, ग्रामीण बुनियादी ढांचा, आजीविका संबंधी अवसंरचना और मौसमी घटनाओं से निपटने के लिए विशेष कार्य शामिल हैं। इस नए विधेयक के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और ग्रामीणों की आय में भी बढ़ोतरी होगी। दीपेंद्र कुमार, आकाशवाणी समाचार दिल्ली।

विधेयक पेस करत कृषि अउर ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान कहलें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अगुवाई में गरीब मनई क उत्थान बदे कई गो कल्याणकारी योजना लागू कइल जा रहल बा। कांग्रेस, डीएमके अउर टीएमसी के सथहीं विपक्षी दलन क कई सदस्य विधेयक क विरोध कइलें।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु अयोध्या पहुंच के श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख स्तंभ अउर पूर्व सांसद महंत डॉक्टर रामविलास दास वेदांती के सरधांजलि दिहले।

उनका पूरा जीवन अयोध्या धाम में रामलला के भव्य मंदिर के निर्माण और अयोध्या धाम के विकास के लिए समर्पित रहा है। एक प्रकार से कहें तो पूरा जीवन उन्होंने रामकाज के लिए अपना समर्पित किया था।

श्री वेदांती क काल्हि मध्य प्रदेस के रीवा में सरगबास हो गइल रहल।

****

काशी तमिल संगमम के चउथा संस्करण में आजु आखिरी दल प्रयागराज पहुंचल। त्रिवेणी संगम के वीआईपी घाट पर प्रयागराज जिला परसासन की ओरि से उनकर भव्य स्वागत कइल गइल। एकरे बाद दल संगम में स्नान कइलस। ये आखिरी दल में दुई सौ सोरह धरम गुरू अउर पचास तमिल सिक्षक सामिल रहलें।

****

राष्ट्र आजु विजय दिवस मना रहल हौ। ई दिन उन्नीस सौ इकहत्तर के लड़ाई में पाकिस्तान पर भारत के विजय के यादि में मनावल जाला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह अउर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ओह वीर सैनिकन के सरधांजलि दिहलें हवे, जिनकर साहस अउर बलिदान उन्नीस सौ इकहत्तर में ऐतिहासिक विजय सुनिश्चित कइलस। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आजु विजय दिवस के मौका पर राष्ट्रपति भवन में परमवीर दीर्घा क उद्घाटन कइलिन। ई दीर्घा में परमवीर चक्र से सम्मानित भइल सज्जों एकइस लोगिन क फोटो लगावल गइल हौ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथो विजय दिवस के मौका पर आपन सबकुछ बलिदान करे वाले सैनिकन के सरधांजलि दिहले एगो सोसल मीडिया पोस्ट के जरिया से मुख्यंत्री कहलें की भारतीय ससस्त्र बल के जांबाजन क अदम्य वीरता बरिस उन्नीस सौ एकहत्तर में इतिहासिक विजय दियेवलस। राष्ट्र ओनकर तियाग क ऋणी हौ अउर ओनकर अमर वीर गाथा से प्रेरित भारत हमेसा अजेय रही।

****

मथुरा में आजु भिन्नही कई गो बस के टक्कर में तेरह लोगिन क मउति हो गइल अउर सत्तर से बेसी लोगि घाही हो गइलें। ई हादसा मथुरा क बलदेव इलाका में यमुना एक्सप्रेसवे पर भइल जहवां बसन के टक्कर के नाते वाहनन में भीषण आग लागि गइल। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार बतउलें कि घाही लोगिन क अलगि–अलगि अस्पताल में इलाज चलि रहल हौ। ई घटना भिन्नही करीब चारि बजे भइल, जब जियादेतर यात्री सुतल रहलें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुरघटना पर गहरा दुख जतवले हवें। सोसल मीडिया पोस्ट में प्रधानमंत्री घाही लोगिन के जल्दीये स्वस्थ भइले क प्रार्थना कइलें हवें। प्रधानमंत्री कार्यालय मरे वाले लोगिन के परिजन के प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दुई– दुई लाख रूपिया अउर घाही लोगिन के पचास–पचास हजार रूपिया क अनुग्रह रासि दिहले क घोसणा कइलें हवें ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मरे वालन के परिजनन खातिर संवदेना जतवले हवे। मुख्यमंत्री मरने वाले लोगिन के परिवार वालन के दुई–दुई लाख रूपिया अउर घाही लोगिन के पचास–पचास हजार रूपिया क सहायता दिहले का घोसणा कइलें हवें।

ओहीं उन्नाव जिला क थान्हा बांगरमऊ इलाका में आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे पर आजु भिन्नही भइल एगो अउरियो दुरघटना में एगो फॉर्च्यूनर कार सवार चारि लोगिन क मउति हो गइल।

****